The Gazette of India

ग्रसाधाररा

EXTRAORDINARY

भाग II---खण्ड 3--- उपलब (1)

PART II—Section 3—Sub-section (i) प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

eio 94]

नई बिल्ली, सोमवार, मई 13, 1968/बैशाख 23, 1890

No. 941

NEW DELHI, MONDAY, MAY 13, 1968/VAISAKHA 23, 1890

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जितसे कि यह प्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके 1 Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

DEPARTMENT OF COMMUNICATIONS

(P. and T. Board)

NOTIFICATION

New Delhi, the 2nd May 1968

- G.S.R. 882.—In exercise of the powers conferred by section 7 of the Indian Telegraph Act, 1885 (13 of 1885), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Indian Telegraph Rules, 1951, namely.—
- (1) These rules may be called the Indian Telegraph (Second Amendment) Rules, 1968.
 - (2) They shall come into force on the 15th May, 1968.
- 2. In the Indian Telegraph Rules, 1951 (hereinafter referred to as the said: rules), in rule 45, for the words "Every word", the words and figures "Save as provided in rules 51 and 137, every word" shall be substituted.
 - 3. In the said rules, to rule 51, the following proviso shall be added, namely—
 "Provided that if the address in inland telegrams, other than the telegrams
 for delivery in Ceylon, Pakistan or Nepal (Rule 60-A), exceeds five
 words, the number of words exceeding five but not exceeding fenshall not be included in calculating the charge."
- 4. In the said rules, for rule 60, the following rules shall be substituted namely:—
 - "60. Inland telegrams for delivery in India.—Inland telegrams for delivery in India be classed as express or ordinary. Save as provided

by rules 124 and 133 and subject to the proviso to rule 51, the charges payable on such telegrams shall be as follows:—

Class	Not exceeding eight chargeable words	Excee ling eight cha First eight char- geable words.	rgeable words Fach additional words after the first eight chargeable words
Express	Re. P. 1 90	Rs. P. 1 90	Rs. P.
Ordinary	o 95	0 95	o 10,

60-A. Inland telegrams to which rule 60 does not apply.—Inland telegrams for delivery in Ceylon, except press telegrams, and inland telegrams for delivery in Pakistan or Nepal, shall be classed as express or ordinary. Save as provided in rule 133, the charges payable on such telegrams shall be as follows:—

I. For Delivery in Ceyion

Class	For ary exceeding	y number of words not ing twelve, including the address		For each additional wor	
		Rs.	P.	Rs.	P.
Exp	ress	2	45	٥	23
Ord	inary	I	25	0	16]

II. For Delivery in Pakistan

Class	For any rumber of words not exceeding eight, including the address	For each additional word after the first eight words
	Rs. P.	Rs. P.
Express	3 00	0 32
Ordin ary	I 50	O 17

Class	For any number of words not exceeding ten, including the address	For each additional words after the first ten words
	Rs. P.	Rs. P.
Ex	ргевв 3 50	0 40
Oı	dinary 1 75	0 2033

- 5. In rule 64 of the said rules, for the brackets, word and figures "(Rule 60)" the brackets, words, figures and letter "(Rule 60 or 60-A)" shall be substituted.
- 6. In rule 111 of the said rules for the word and figures "rule 60" the words, figures and letter "rule 60 or 60-A" shall be substituted.
- 7. In rule 116 of the said rules, for the word "copying", the words "copying fee" shall be substituted.
- 8. In the said rules, for rule 124, the following rule shall be substituted, namely :--
 - "124. Subject to the proviso to rule 51, the charges payable on a greetings telegram for delivery in India shall be as follows:--

Class	Not exceeding eight chargeable words		gea ble		Exceeding eig First eight chargeable words	Each word first e	geable words additional after the ight char- ble words.	
		Re	. P.	R	. P.		R9.	Р.
:	Ехргезэ	I	50	1	50		0	20
	Ordinary	0	7 5	o	75		0	16D

Nore.—The text of the greetings telegram shall be indicated by a number published for general information in the Telegraph Guide, and such number shall be charged as one word."

- 9. In rule 130-C of the said rules, for the letters and figure "Rs. 9", the letters and figures "Rs. 10" shall be substituted.
 - 10. In rule 133 of the said rules, for the heading:—
- "1 For delivery in India" and the Table occurring thereunder, the following shall be substituted, namely:—

"I-For Delivery in India

Class	For any number of words not exceeding fifty, ex- cluding the address	For each additional five words after the first fifty words.	
	Rs. P.	Rs. P.	
Express	1 50	0 20	
Ordinary	O 75	°O 10"	

11. In rule 288 of the said rules, for the word and figures "rule 60", the words, figures and letter "rule 60 or 60-A" shall be substituted.

[No. 2-15/68-R.]

V. K. SETH, Assistant Director-General (Rates).

संखार विभाग

(डाक-तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 2 मई, 1968

षी० एस० म्रार० 883 — 1885 (1885 के 13वें) भागतीय तार मधिनियम के खंड 7 द्वारा प्रदेश भ्रधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार 1951 के भारतीय तार नियमों में मांगे भौर् संशोधन करके निम्निशिखित नियम बनाती हैं प्रयत्

- 1. (1) इन नियमों को 1968 के भारतीय तार (द्वितिष्य संशोधन) नियम कहा जाएगा।
 (2) ये 15 मई 1968 से लागू होंगे।
- 2. 1951 के भारतीय तार नियमों (जिन्हें इसके बाद उक्त नियम कहा जाएगा) के नियम 45 में "प्रत्येक एव्द" इन शब्दों के स्थान पर ये शब्द श्रौर श्रंक रख दिए जाएंगे "नियम 51 शीर 137 में बताये गये को छोड़ कर प्रत्येक शब्द"।
 - 3. उपत नियमों के नियम 51 के साथ निम्नलिखित परन्तुक जोड़ दिया जाएगा श्रर्थात्— "बशर्तें कि यदि श्रीलंका पाकिस्तान या नेपाल (नियम 60क) में वितरण के लिए तारों को छोड़ कर श्रन्तर्देणीय तारों के पते में पांच शब्दों से अधिक हों तो पांच शब्दों से अधिक किन्तु दस शब्दों तक होने पर प्रभार नहीं लिया जाएगा।"
 - 4. उक्त नियमों में नियम 60 के स्थान पर निम्नलिखित नियम कर दिए जाएंगे प्रथित---
 - "60. भ.रत में दितरण क ि.ये फर्तदेशीय तार--भारत में वितरण के लिए धन्तदेंशीय तारों को तुरत या साधारण तारों की श्रेणी में रखा जाएगा। नियम 124 ग्रौर 133 में दिए हुए को छोड़ कर ग्रौर नियम 51 के परन्तुक को वृष्टि में रखते हुए ऐसे तारों पर श्रदा किया जाने वाला प्रभार इस प्रकार होगा---

क्षेणी	प्रभार देय श्राठ शब्दों तक के लिए	प्रभार देय श्राठ गब्दों	से प्रधिक के लिए
		प्रभार देय प्रथम भ्राठ शब्दों के लिए	प्रथम भ्राठ प्रभार देय सब्दों से भ्रधिक प्रत्येक भ्रतिरिक्त सब्द के लिए
	20/10	क पै०	रु० पै०
तु •त	1.90	1,99	0-20-
सा घारण	0.95	0 95	0-10

60-कः ऐसे अन्तर्वेशीय तार जिन पर नियम 60 लागू नहीं होता--प्रेस तारों को छोड़ कर श्रीलंका में वितरण के लिए अन्तर्देशीय तार और पाकिस्तान या नेपाल में वितरण के लिए अन्तर्देशीय तार और पाकिस्तान या नेपाल में वितरण के लिए अन्तर्देशीय तार तुरत या साधारण की श्रेणी में रखे जाएंगे । नियम 133 में बताये गये को छोड़ कर ऐंगे तारों पर देय प्रभार इस प्रकार होगा ---

I.--- भी तंका में वितरण के लिये

श्चेणी	पते सहित 12 शब्दों तक के लिए	प्रथम 12 मब्दों के बाद प्रत्येक श्रतिरिक्त भव्द के लिए
	र०पै०	क् ०पै०
तुरत	2-45	0-28
साधारभ	1-25	0-16
	II.—पाकिःतान में वितर	एक लिये
श्रेणी	पते सहित 8 शब्दों तक के लिए	प्रथम 8 शब्दों के बाद प्रस्येक श्रतिरिक्त शब्द के लिए
	र०पै०	रु ०पै०
तुरत	3-00	0-32
साधारण	1-50	0-17
	III.—नेपात में वितरण	हे लिये
श्रेणी	पते सहित 10 शब्दों तक के लिए	प्रथम दस शब्दों के बाद प्रत्येक श्रतिरिक्त शब्द के लिए
	रु०पै०	रु०पै०
तुरत	3-50	0-40
।।धारण	1-75	0-20

- 5. उक्त नियमों के नियम 64 में "(नियम 60)" कोष्टकों शब्द श्रीर श्रंकों के स्थान पर (नियम 60 या 60क)" कोष्ठक शब्द श्रंक श्रीर वर्ण कर दिए जाएं।
- 6. उक्त नियमों के नियम 111 में "नियम 60" शब्द और श्रंकों के स्थान पर "नियम 60 श्रीर 60क" शब्द श्रंक श्रीर वर्ण कर दिए जाएंगे ।
- 7. उक्त नियमों के नियम 115 में "नकल लेना" शब्दों के लिए "नकल लेने का शुल्क" शब्द कर दिए आएं ।
 - 8. उक्त नियमों के नियम 124 के स्थान पर निम्निलिखित नियम कर दिया जाए अर्थात्—"124. नियम 51 के परन्तुक को दृष्टि में रखते हुए भारत में वितरण के लिए ब्रधाई
 सारों पर देय प्रभार इस भकार होगां —

श्रेणी	प्रभार-देय भ्राठ शब्दों तक	प्रभार-देग श्राठ शब्दो	से भ्राधिक के लिए	
		प्रयम ग्राठ प्रभार-देय गब्दों के लिए	प्रथम ग्राट प्रभार-देथ सब्दों के बाद प्रत्येक ग्रतिरिक्त सब्द के लिए	
<u> </u>	रु०पै०	হ০৭ ০	হ৹ণ্ট	
तुरत	1-50	1-50	0-20	
साधारण	0-75	0-75	0-10	

नोट—अधाई तार की विषय-वस्तु एक मंख्या द्वारा सूचित की जाएगी जिसे सामान्य जानकारी के लिए तार निर्देशिका में प्रकाशित किया गया है और ऐसी संख्या पर एक शब्द का प्रभार लिया जाएगा ।

- 9. उक्त नियमों के नियम 130-ग में "9 रुपये" वर्णी श्रीर अंकों के स्थान पर "10 रुपये" वर्ण श्रीर अंक कर दिए जाएंगे।
 - 10. उक्त नियमों के नियम 133 में

"I—भारत में वितरण के लिए"

णीर्षंक श्रौर उसके नीचे दी गई तालिका के स्थान पर निम्नलिखित कर विया

 $^{\prime\prime}I$ —भारत में वितरण के लिए $^{\prime\prime}$

श्रेणी	पते को छोड़ कर 50 सम्दों तक के के लिए	प्रथम 50 शब्दों के बाद प्रस्थेक ग्रन्ति- रिक्त पांच शब्दों के लिए
. ——	स ०पै०	स्ट्पैठ
तु रत	1-50	0-· 2 0
स । घारण	0-75	0-10

11. उक्त नियमों के नियम 238 में "नियम 60" शब्द श्रौर श्रंकों के स्थान पर "नियम 60 मा 60क" शब्द श्रंक श्रौर वर्ण कर दिए जाएंगे।

(संo 2-15/68-श्रार)

वी० के० सेठ, सहाबक महागिदेशक (द२) ।